

ज्वालियर धराना

- * कुछ लोग पीरवश्व कूछ लोग मुहम्मद खाँ परतुं कालिकर विद्वान ^{नत्वन} पीरवश्व को ही इस धराने का अन्वेषक मानते हैं।
- * ~~पीर~~ पीरवश्व ज्वालियर मरेश जी संत दौलतराव सिंधिया (1794-1827) के दरबार में गायक और संगीत शिक्षक पद पर नियुक्त थे।
- * नत्वन पीरवश्व के पुत्र कायर वश्व भी दरबार में गायक थे।
- * शाकल के पुत्र मोहम्मद खाँ को भी नरेश दरबार में रखा।
- * इस धराने की परंपरा में द्यूखाँ, दसूखाँ तद्यूखाँ भी हुए।
- * दसू-द्यूखाँ के ही शिष्य बालकृष्ण पुत्र इचणकरंजीकराव जिनका शिष्य, पं. पल्लुकराव और अन्तर मनोहर जी भी

धराने के शिष्य

- 1) विनायक राव पटवर्धन, माराया राव-लयास, कोका नाथ लाल, निशाद दुबैन खाँ, शंकर राणा मेथा प्रेंडवाल, रहमत खाँ
- * शंकर पंडित के नाम पर ज्वालियर में शंकर विद्यालय स्थापित है।